हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें
Web:- www.jokhimnews.com
सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "ए" श्रेणी में सूचीबद्ध

जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 16 अंक : 330 | देहरादून सोमवार 23 फरवरी 2026 | मूल्य :रू 2 | पृष्ठ : 8

सीएम धामी ने किया संस्कृत छात्र प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम में प्रतिभाग

देहरादून(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में संस्कृत छात्र प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने गार्गी बालिका संस्कृत छात्रवृत्ति, डॉ. भीमराव अंबेडकर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति संस्कृत छात्रवृत्ति भी विद्यार्थियों को प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रतियोगी परीक्षा स्वाध्याय केन्द्र एवं ई-संस्कृत संभाषण शिविर का वर्चुअल शुभारंभ और उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय के त्रैमासिक पत्र संस्कृत वार्ता का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड की पहचान ऊँचे पर्वतों और ऐतिहासिक मंदिरों से ही नहीं, बल्कि ज्ञान और आस्था की भाषा देववाणी संस्कृत से भी है। वेदों से लेकर उपनिषदों तक, रामायण से लेकर महाभारत तक, आयुर्वेद से लेकर खगोलशास्त्र तक, गणित से लेकर दर्शनशास्त्र तक हमारे ज्ञान की जड़ें संस्कृत में ही निहित हैं। संस्कृत हमारे अतीत की स्मृति मात्र नहीं, बल्कि हमारे भविष्य की संभावना भी है। संस्कृत की सबसे बड़ी विशेषता इसका वैज्ञानिक व्याकरण है। पाणिनि द्वारा रचित अष्टाध्यायी आज भी विश्व के भाषाविदों के लिए आश्चर्य का विषय है। आज विश्व के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में संस्कृत की वैज्ञानिकता पर विभिन्न प्रकार के शोध किए जाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्धता के साथ निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में संस्कृत को आधुनिक और व्यवहारिक भाषा के रूप में स्थापित करने के विशेष प्रयास किए गए हैं। संस्कृत साहित्य को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध कराया जा रहा है। एआई के माध्यम से संस्कृत ग्रंथों को नए स्वरूप में सबके सामने रखा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड सदियों से संस्कृत अध्ययन और शोध का केंद्र रही है। राज्य में संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। सभी जनपदों में आदर्श संस्कृत ग्रामों की स्थापना की गई है। उत्तराखंड में संस्कृत को द्वितीय राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया है। राज्य में पहली बार 'गार्गी संस्कृत बालिका छात्रवृत्ति योजना' की शुरुआत की गई है।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड संस्कृत अकादमी, हरिद्वार के माध्यम से अखिल भारतीय शोध सम्मेलन, अखिल भारतीय ज्योतिष सम्मेलन, अखिल भारतीय वेद सम्मेलन, अखिल भारतीय संस्कृत कवि सम्मेलन, संस्कृत शिक्षक कौशल विकास कार्यशाला और संस्कृत छात्र प्रतियोगिता जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

आशारोड़ी वन रेंज कार्यालय में तोड़फोड़ और हंगामें में दो आरोपी गिरफ्तार

देहरादून (संवाददाता)। क्लेमनटाउन थाना क्षेत्र के आशारोड़ी वन रेंज कार्यालय में घुसकर तोड़फोड़, हंगामा और सरकारी काम में बाधा डालने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की है। क्लेमनटाउन पुलिस ने इस मामले में नामजद दो आरोपियों को रविवार को गिरफ्तार कर लिया है। क्लेमनटाउन थाना अध्यक्ष मोहन सिंह ने बताया कि शनिवार को आशारोड़ी रेंज के वन रेंजर रवींद्र कुमार बेडवाल ने थाने में तहरीर दी थी। तहरीर में बताया गया था कि दो युवकों ने उनके कार्यालय में घुसकर जमकर हंगामा किया। इस दौरान आरोपियों ने न केवल गाली-गलौज और मारपीट की, बल्कि कार्यालय परिसर में खड़ी गाड़ियों में भी भारी तोड़फोड़ की।

स्वर्ण पदक जीतकर लौटे दिव्यांग खिलाड़ियों को नवाजा

रुड़की (संवाददाता)। इंडोनेशिया में इंटरनेशनल पैरा थ्रो बॉल टूर्नामेंट प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर लौटे दोनों दिव्यांग खिलाड़ियों से क्षेत्र में खुशी की लहर है। उनके वापस लौटने पर क्षेत्र के लोगों ने उनका फूल माला उसे स्वागत कर मिठाइयां बाटी। इस दौरान खिलाड़ियों को बधाई देने वालों की भीड़ लगी हुई है। इंडोनेशिया में भारतीय टीम के शानदार प्रदर्शन के बाद गोल्ड मेडल लेकर भारत लौटे टीम के सदस्य दिग्विजय सिंह एवं प्रदीप कुमार को सम्मानित करने के लिए नई दिल्ली से सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट एवं अंतरराष्ट्रीय कोर्ट के अधिवक्ता संजय शर्मा लक्सर पहुंचे संजय शर्मा अपनी वकालत से दुनिया भर में भारत का लोहा मनवा चुके हैं। सरल स्वभाव के धनी संजय शर्मा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दिग्विजय सिंह के काफी करीब है। वह उनकी हर उपलब्धि पर उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर रहते हैं। इस अवसर पर माननीय ठाकुर संजय सिंह पूर्व राज्यमंत्री दर्ज की उपस्थित रहे। उन्होंने भी संजय शर्मा को गुलदस्ता देकर स्वागत किया। दोनों ही वरिष्ठ व्यक्तियों ने गोल्ड मेडलिस्ट दिग्विजय सिंह और प्रदीप कुमार गोल्ड मेडल प्राप्त करने पर शुभकामनाएं दी। खिलाड़ियों के घर पर उनके साथियों का बधाई देने के लिए ताता लगा हुआ है। इस मौके पर सुशील करणपुर, सतवीर प्रधान, बृजेश कौशिक, विशाल चौधरी अध्यक्ष आदि अनेक शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार...

रिंग रोड और श्रीदेव सुमननगर में हुए हिन्दू सम्मेलन

देहरादून(आरएनएस)। विराट हिन्दू सम्मेलन के क्रम में रविवार को रिंग रोड नत्थनपुर स्थित स्काई गार्डन बारात घर में संस्कृति, संस्कार और धर्म विषय पर वक्ताओं ने हिन्दुओं को एकजुट रहकर खुद को मजबूत बनाने की प्रेरणा दी। सकल हिन्दू समाज वार्ड 94 नत्थनपुर और श्रीदेव सुमननगर वार्ड 35 में स्थानीय निवासियों के सहयोग से हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया।

बैंक ग्राहक देंगे अनिश्चितकालीन धरना

देहरादून (संवाददाता)। दून अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक में घोटाले के बाद जमाकर्ता चिंतित हैं। जमाकर्ताओं ने सोमवार से बैंक परिसर में अनिश्चिकालीन हड़ताल की चेतावनी दी है। जमाकर्ता अचिन गुप्ता ने बताया कि जब उनकी जमा राशि पूरी वापस नहीं लौटाई जाएगी तब तक आंदोलन जारी रखेंगे।

पुराना मोबाइल बेचना पड़ा महंगा, खाते से उड़े 1.70 लाख

देहरादून (संवाददाता)।विद्या विहार, कारगी रोड निवासी एक व्यक्ति के बैंक खाते से 1.70 लाख रुपये ट्रांसफर हो गए। पीड़ित का आरोप राज प्लाजा के एक मोबाइल दुकान संचालक पर है। जिसे पीड़ित ने हाल में अपना पुराना फोन बेचा और नया खरीदा था। पीड़ित की शिकायत पर शहर कोतवाली पुलिस ने आरोपी दुकान संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शहर कोतवाल हरिओम राज चौहान ने बताया कि पुनीत कुमार (43 वर्ष) ने बीते नौ फरवरी को राज प्लाजा स्थित न्यू नाइन टेलीकॉम के संचालक काशिफ नेहाल को अपना पुराना फोन देकर नया फोन खरीदा था।

हिन्दी दैनिक जोखिम

सम्पादकीय

ऑपरेशन भी होगा तो शर्तों के साथ

तो आज का वक्त भारत का सेनापति बेचारा (थलसेना प्रमुख-जनरल एमएम नरवणे) इसबसे ऊपर से.. आदेश की प्रतीक्षा के अनुभव वाला। अंत में जवाब - जो उचित समझो, वह करो। कितनी गंभीर बात। तभी विचार करें नेहरू के बनाए भारत और जिन्ना के बनाए पाकिस्तान में क्या फर्क है? नेहरू की जिद्द थी कि सिविल सरकार से सेना आदेश लेगी। जबकि जिन्ना ने दिमाग नहीं लगाया। नतीजतन पाकिस्तान में रिवाज है सेना देगी सिविल सरकार को आदेश। वह चलाएगी सरकार!इस फर्क को क्या नरेंद्र मोदी, अजित डोवाल, राजनाथ सिंह, अमित शाह, जयशंकर या संघ परिवार के लाठीधारी जानते हैं? चलिए आज आपको राहुल गांधी के पुरखे जवाहरलाल नेहरू की समझ का एक प्रमाण दें। वह सबूत, जिससे पाकिस्तान में सैनिक सर्वशक्तिमान है वही लोकतांत्रिक भारत भयाकुल सिविलियन नरेंद्र मोदी से शासित है।नेहरू आजादी से पहले अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री थे। वायसराय की कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष थे। वह कार्यकारिणी देश के प्रशासन का बिंदु थी। उसमें ब्रितानी सेना के प्रमुख की सदस्यता अनिवार्य थी। पर नेहरू ज्योंहि उपाध्यक्ष बने उनका निर्णय था नागरिक व्यवस्था, राजनीतिक निर्णयों की बैठकों में सेना प्रमुख का क्या काम! वह सदस्य नहीं होगा। उन्होंने वायसराय कार्यकारिणी में सेना प्रमुख को सदस्य नहीं बनाने की अनुशंसा की। नेहरू ने साफ स्टैंड लिया कि शासन-प्रशासन से सेना को दूर रखा जाना चाहिए, ताकि सत्ता का संतुलन नागरिक नेतृत्व के अधीन रहे। तब नेहरू और कांग्रेस नेताओं को बोध था कि भारत में विदेशी शासन सैन्य छावनियों के बल पर था। सो, भविष्य के लोकतांत्रिक भारत में सेना को शासन से दूर रखने का निर्णय हुआ।और नेहरू ने वायसराय कार्यकारिणी में सेना प्रमुख के स्थान पर सेना के प्रतिनिधि मंत्री के रूप में नेता सरदार बलदेव सिंह को कार्यकारिणी का सदस्य बनाया। फिर वह हरसंभव प्रयास किया, जिससे सेनाध्यक्ष की प्रशासनिक मामलों से दूरी बनी। वह हस्तक्षेप न हो और न ही नीतिगत निर्णयों में निर्णयकर्ता या भागीदार बने। लोकतंत्र को स्थिर, टिकाऊ बनाए रखने के लिए उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों पर एक कैबिनेट समिति का गठन किया। इसी से नागरिक और सैन्य नेतृत्व के बीच एक संस्थागत संतुलन स्थापित हुआ। इसके अलावा, नेहरू ने वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के कार्यकाल को निश्चित अवधि का बनाया, जिससे सैन्य पदों पर अनावश्यक राजनीतिक प्रभाव को रोका जा सके। सेवानिवृत्त सेना प्रमुखों, जैसे जनरल करियप्पा, को दूरस्थ देशों में राजदूत नियुक्त किया। मतलब सैन्य नेतृत्व की राजनीतिक सत्ता से दूरी बनाए रखने की परंपरा बनाई। खुफिया एजेंसियों के माध्यम से निगरानी तंत्र विकसित किया।तभी नेहरू से मोदी के सत्ता में आने तक हर सरकार ने तीनों सेनाओं के प्रमुख अलग-अलग रखे। चीन के हमले के बाद तीनों सेना के कमान से ऊपर एक प्रमुख की नियुक्ति की सलाह दी जाती रही। लेकिन भारत के सभी प्रधानमंत्रियों ने नेहरू की इस समझ को अपनाए रखा कि एक शक्तिशाली सैन्य पद लोकतंत्र के लिए खतरा बन सकता है। उस सोच-सावधानी को प्रधानमंत्री मोदी ने प्रमुख रक्षा अध्यक्ष का पद (चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ यानी सीडीएस) बना कर और सन् 2020 में जनरल रावत को नियुक्त कर खत्म किया। शायद इसलिए क्योंकि गुजरात से आए नरेंद्र मोदी ने अपनी कमी (सीधे बात करने, निर्देश देने, कैबिनेट में रियल विचार विमर्श निर्णय की क्षमता, विश्वास में कमी) को ढकने के लिए सीएमओ के ढर्रे पर खास-विश्वस्त एनएसए अजित डोवाल, पीएमओ के प्रमुख सचिव, विश्वस्त अमित शाह की कमांड बनाई तो सेना के लिए भी एक विश्वस्त की जरूरत थी। सो, वे बतौर सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल (आईपीएस अफसर) को मन की बात कहें। उसे डोवाल सेनाध्यक्ष, सीडीएस को सुनाए और सीडीएस फिर थल, वायु, नौसेना के प्रमुखों को हुकूम दे। इस कमांड चेन के अनुभव पुलवामा, गलवान, डोकलाम, ऑपरेशन सिंदूर में झलके हैं। वैश्विक तौर पर भारत की सैन्य क्षमता पोली हुई मानी गई है। सो, नेहरू ने भारत को पाकिस्तान नहीं बनने देने के लिए निर्वाचित सरकार को सर्वेसर्वा बनाया। मगर हां, उन्होंने कल्पना नहीं की थी कि कभी कोई ऐसा प्रधानमंत्री भी होगा, जिसमें न तो कैबिनेट बैठक, कैबिनेट की सुरक्षा कमेटी में खुले मंथन की हिम्मत होगी। न सीधा आदेश मिलेगा। और ऑपरेशन भी होगा तो शर्तों के साथ। फिर भले सीमा की तरफ चीनी सैनिक, टैंक बढ़ रहे हैं तो सेनाधिकारियों के संग नफे-नुकसान पर विचार के बिना रक्षा मंत्री के जरिए अंत में संदेश भिजवा देंगे, जो उचित समझो, वह करो।

पश्चिम बंगाल का चुनाव बहुत अहम

अजीत द्विवेदी

वैसे तो अप्रैल में पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं लेकिन सबकी नजर पश्चिम बंगाल पर है। और ऐसा होने के कई कारण है। हालांकि ऐसा नहीं है कि तमिलनाडु का चुनाव कम महत्वपूर्ण है या केरल और असम का चुनाव ज्यादा महत्व का नहीं है। असम और केरल का चुनाव कांग्रेस पार्टी के लिए जीवन मरण का चुनाव है तो तमिलनाडु डीएमके, अन्ना डीएमके और फिल्म स्टार विजय के लिए बहुत अहम है। परंतु राष्ट्रीय स्तर पर जिस चुनाव का सबसे ज्यादा असर होगा वह पश्चिम बंगाल का है। अगर ममता बनर्जी लगातार चौथी बार चुनाव जीतती हैं तो सिर्फ बंगाल नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति प्रभावित होगी और सिर्फ भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए पर ही नहीं, बल्कि विपक्षी गठबंधन इंडिया की राजनीति पर भी बड़ा असर होगा।

चुनाव की घोषणा से पहले कांग्रेस ने ऐलान कर दिया है कि वह अकेले सभी 294 सीटों पर लड़ेगी। दूसरी ओर वामपंथी पार्टियों का मोर्चा भी अकेले लड़ने की तैयारी कर रहा है। 2016 के बाद पहली बार ऐसी स्थिति बन रही है। पिछले दो चुनावों में कांग्रेस और वाम मोर्चे के बीच सीट एडजस्टमेंट की सहमति बनी थी और दोनों ने मिल कर चुनाव लड़ा था। पिछली बार यानी 2021 में तो फुरफुराशरीफ के पीरजादा अब्बास सिद्दीकी की पार्टी इंडियन सेकुलर फ्रंट यानी आईएसएफ के साथ भी सीटों का समझौता हुआ था। इस बार देखने वाली बात होगी कि आईएसएफ की कमान संभाल रहे नौशाद सिद्दीकी क्या फैसला करते हैं। उनका फैसला इसलिए अहम हो गया है क्योंकि इस बार पश्चिम बंगाल में एक मुस्लिम गठजोड़ के अलग से चुनाव लड़ने की संभावना बन रही है। तृणमूल से चुनाव जीते हुमायूं कबीर ने जनता उन्नयन पार्टी बनाई है।

वे मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद बनवा रहे हैं और मुस्लिम ध्रुवीकरण के प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने पिछले दिनों एक सभा की तो उसमें असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया एमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष इरफान सोलंकी भी शामिल हुए थे। कहा जा रहा है कि हुमायूं कबीर इस बार ओवैसी की पार्टी एमआईएम और बदरूद्दीन अजमल की पार्टी एआईयूडीफ से तालमेल करेंगे। अगर आईएसएफ इसमें शामिल हो तो चार मुस्लिम पार्टियों का एक मोर्चा बनेगा। हालांकि इस बीच यह भी खबर है कि सीपीएम के प्रदेश सचिव मोहम्मद सलीम ने भी हुमायूं कबीर से मुलाकात की है। तो क्या लेफ्ट मोर्चा इन मुस्लिम पार्टियों के साथ गठबंधन कर सकता है? जो हो अभी तक यह दिख रहा है कि भाजपा और तृणमूल कांग्रेस की आमने सामने की लड़ाई में कांग्रेस, लेफ्ट और मुस्लिम पार्टियों के मोर्चे की चुनौती है। दूर से एक बहुकोणीय मुकाबला दिख रहा है। हालांकि ऐसा होगा नहीं।चुनाव से पहले बन रहे गठबंधनों की पृष्ठभूमि जानना इसलिए जरूरी है क्योंकि पश्चिम बंगाल में हिंदू और मुस्लिम दोनों वोटों के बंटवारे या ध्रुवीकरण से चुनावी नतीजे तय होते हैं। लगभग 30 फीसदी मुस्लिम आबादी लगभग पूरी तरह से ममता बनर्जी की पार्टी के समर्थन में वोट करती है। दूसरी ओर 70 फीसदी हिंदू आबादी का लगभग 60 फीसदी हिस्सा भाजपा का समर्थन करता है। इसका अर्थ है कि अगर 10 फीसदी और हिंदू वोट भाजपा के साथ जुड़ जाएं तो भाजपा चुनाव जीत जाएगी या अगर 20 फीसदी के करीब मुस्लिम वोट ममता बनर्जी से टूट जाए तब भी भाजपा जीत जाएगी। भाजपा का 38 से 40 फीसदी तक वोट कायम रहने की संभावना इसलिए है क्योंकि पिछले तीन चुनावों में उसे इतना ही वोट मिलता है और उसे इसे और कंसोलिडेट किया है।पिछले चुनाव में कांग्रेस, लेफ्ट और आईएसएफ को साझा तौर पर 12 फीसदी के करीब वोट मिला था। इसमें ज्यादा बड़ा हिस्सा हिंदू वोट का था। ध्यान रहे बांग्ला बोलने वाला हिंदू समुदाय भाजपा के साथ जाने की बजाय ममता बनर्जी या लेफ्ट, कांग्रेस के साथ रहता है। लेकिन इस बार स्थिति बदलने की संभावना है। बांग्लाभाषी हिंदू पहली बार मुस्लिम आबादी को लेकर चिंता में हैं। उनको लग रहा है कि भाषा और संस्कृति की एकता बनाने के चक्कर में बांग्लाभाषी हिंदू पहले कांग्रेस फिर लेफ्ट और अब तृणमूल को वोट देते रहे हैं लेकिन इस बीच राज्य की जनसंख्या संरचना बदल गई और उनके सामने गंभीर खतरे खड़े हो गए हैं। अगर बांग्लाभाषी हिंदू इस मानसिकता में वोट करते हैं तो भाजपा के लिए अवसर बनेगा और राष्ट्रीय स्तर पर हिंदू ध्रुवीकरण मजबूत होगा।

अगर चुनिंदा इलाकों में जैसे मालदा, मुर्शिदाबाद और उत्तरी दिनाजपुर के मुस्लिम बहुल इलाकों में तृणमूल कांग्रेस को छोड़ कर मुस्लिम आवाम का समर्थन मुस्लिम नेताओं की पार्टियों को मिलता है तो हैदराबाद से शुरू होकर महाराष्ट्र और बिहार तक मुस्लिम नेतृत्व के प्रति मुस्लिम आवाम के बढ़ते रूझान पर मुहर लगेगी। यह ट्रेंड स्थायी रूप से देश की राजनीति को बदलने वाला होगा। ध्यान रहे बिहार में आमने सामने के चुनाव के बावजूद ओवैसी की पार्टी के पांच विधायक जीते। महाराष्ट्र में ओवैसी की पार्टी के करीब एक सौ पार्षद जीते हैं। यह ट्रेंड दिखाता है कि मुस्लिम आवाम के मन में मौजूदा सेकुलर पार्टियों को लेकर संदेह पैदा हो गया है। वे उनकी बजाय सीधे अपना नेतृत्व खड़ा करना चाहते हैं। तभी जहां भी उनको अपना विकल्प मिलता है वे उसे प्राथमिकता देते हैं। जहां विकल्प नहीं है वहां रणनीतिक मजबूरी में कांग्रेस या किसी प्रादेशिक पार्टी का समर्थन करते हैं। अगर ममता बनर्जी की पार्टी को मुसलमानों का समर्थन कम होता है तो इस ट्रेंड की पुष्टि होगी। आगे के चुनावों में देश के दूसरे हिस्सों में भी यह ट्रेंड देखने को मिलेगा।

नेतृत्व के स्तर पर भी पश्चिम बंगाल के चुनाव नतीजे का असर देश की राजनीति पर पड़ेगा। अगर ममता बनर्जी चौथी बार जीतती हैं और लगातार दूसरी बार सीधे मुकाबले में भाजपा को हराती हैं तो इसे भाजपा के मौजूदा नेतृत्व के करिश्मे और रणनीति के क्षरण की शुरुआत के तौर पर देखा जाएगा। ध्यान रहे एनडीए के अंदर वैसे भी इस बार भाजपा की स्थिति कमजोर है। पिछले चुनाव में वह अकेले दम पर बहुमत नहीं हासिल कर पाई। नरेंद्र मोदी की सरकार नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू के समर्थन पर निर्भर है। पश्चिम बंगाल में हारने पर सहयोगी पार्टियों का दबाव बढ़ेगा और पार्टी के अंदर भी एक दबाव समूह उभर सकता है। संघ की ओर से दखल बढ़ने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन अगर पश्चिम बंगाल का किला भाजपा फतह कर लेती है तो फिर राष्ट्रीय राजनीति में वह अजेय हो जाएगी। नरेंद्र मोदी और अमित शाह के नेतृत्व के सामने लंबे समय तक कोई चुनौती नहीं आएगी।पश्चिम बंगाल के नतीजे का विपक्षी गठबंधन पर भी बड़ा असर होगा। अगर ममता बनर्जी जीतती हैं तो फिर जैसा कि अखिलेश यादव ने कहा, भाजपा से लड़ने वाली इकलौती नेता के तौर वे स्थापित होंगी। वे दिल्ली कूच करेंगी। राहुल गांधी के नेतृत्व के सामने बड़ी चुनौती खड़ी होगी। उनके पीछे हटने और ममता बनर्जी के नेतृत्व में 2029 के लोकसभा चुनाव की तैयारी करने की मांग उठेगी। यह मांग जमीन सचाइयों पर आधरित होगी। इसलिए कांग्रेस भले विरोध करे पर दूसरी पार्टियां इस पर गंभीरता से विचार करेंगी। ध्यान रहे अगले चुनाव तक विपक्षी पार्टियों का सत्ता का सूखा 15 साल का हो जाएगा। ऐसे में वे ममता बनर्जी के ऊपर दांव लगा सकती हैं। अगर कांग्रेस केरल और असम में जीत जाती है और तमिलनाडु में डीएमके गठबंधन जीतता है तब भी राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व को लेकर गंभीर चर्चा छिड़ेगी। कुल मिला कर हिंदू ध्रुवीकरण, मुसलमानों के अंदर अपने नेतृत्व की तलाश की बेचैनी और एनडीए व इंडिया ब्लॉक में नेतृत्व के लिहाज से पश्चिम बंगाल का चुनाव बहुत अहम होने वाला है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

संक्षिप्त समाचार...

25 दिवसीय माटी कला प्रशिक्षण संपन्न, प्रतिभागियों को मिले प्रमाण पत्र

रुड़की (संवाददाता)। व्यापक हस्तशिल्प क्लस्टर विकास योजना के तहत रामनगर स्थित माटी कला बोर्ड प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित 25 दिवसीय शिल्प प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हो गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि माटी कला बोर्ड के उपाध्यक्ष शोभाराम प्रजापति और किसान आयोग के उपाध्यक्ष चौधरी अजीत सिंह ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित कर सम्मानित किया। आत्मनिर्भरता पर जोर: शोभाराम प्रजापति ने कहा कि आधुनिक तकनीक और बेहतर मार्केटिंग के माध्यम से कारीगरों की आय में वृद्धि होगी और वे आत्मनिर्भर बनेंगे। चौधरी अजीत सिंह ने माटी कला को सांस्कृतिक धरोहर बताते हुए इसे आधुनिक बाजार से जोड़ने और स्वरोजगार अपनाने की अपील की। प्रशिक्षुओं को आधुनिक उत्पाद निर्माण, नवीन डिजाइनिंग और बाजार की बिक्री प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षुओं ने अपने अनुभव साझा किए और सरकार की इस पहल का आभार व्यक्त किया। समापन समारोह में अंकित, राजेश, ललिता, बबीता, रजनी, सुमित और विनीत सहित कई प्रतिभागी उपस्थित रहे।

अभियान चलाकर 200 किरायेदारों का किया सत्यापन

रुड़की (संवाददाता)। कलियर। एसएसपी के निर्देश पर कलियर क्षेत्र में रविवार को पुलिस ने सत्यापन अभियान चलाया। अभियान के दौरान करीब 200 किरायेदारों, घरेलू नौकरों, रेडी-ठेली संचालकों और बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन किया गया। पुलिस की टीम ने झुग्गी-झोपड़ियों, होटलों, ढाबों और किराये पर रह रहे लोगों की गहन जांच की। सत्यापन न कराने पर एक मकान स्वामी का चालान किया गया जबकि नियमों का उल्लंघन करने पर दस रेडी-ठेली संचालकों के मौके पर नगद चालान काटे गए। थाना प्रभारी रविन्द्र कुमार ने बताया कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ रखने और आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया है। उन्होंने सभी मकान मालिकों से अपने किरायेदारों, घरेलू सहायकों और बाहरी व्यक्तियों का अनिवार्य रूप से सत्यापन कराने की अपील की। साथ ही आमजन से सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट और फर्जी विज्ञापनों से सतर्क रहने को कहा।अभियान के दौरान एसएसआई सुनील पंत, एसआई उपेंद्र सिंह, एसआई विशाखा असवाल, एएसआई राम अवतार सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

होली के रंग में रंगने लगा बाजार

रुड़की (संवाददाता)। रंगों का त्योहार होली आने में अभी करीब दस दिन शेष हैं, लेकिन शहर के बाजारों में अभी से होली की रौनक दिखाई देने लगी है। मुख्य बाजार, सिविल लाइंस और आसपास के इलाकों में अबीर-गुलाल, रंग और तरह-तरह की पिचकारियों से दुकानें सज गई हैं। बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है और वे अभिभावकों के साथ अपनी पसंद की पिचकारी खरीदने पहुंच रहे हैं। इस बार बाजार में रंगों और पिचकारियों की अनेक वैरायटी उपलब्ध है। कार्टून कैरेक्टर वाली पिचकारियां, टैंक मॉडल, मशीनगन स्टाइल और प्रेशर पंप पिचकारियां बच्चों को आकर्षित कर रही हैं। वहीं युवाओं के लिए बड़े साइज की मल्टी-शॉट पिचकारियां भी आई हैं। गुलाल के रंगों में भी खास विविधता देखने को मिल रही है। खासतौर पर सिलेंडर पैक में उपलब्ध गुलाल ग्राहकों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। दुकानदार कमल चावला ने बताया कि इस बार हर्बल गुलाल की मांग सबसे अधिक है। लोगों में केमिकल युक्त रंगों के प्रति जागरूकता बढ़ी है, जिसके चलते प्राकृतिक और त्वचा के लिए सुरक्षित रंगों को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने बताया कि बच्चों और बड़ों के लिए अलग-अलग रेंज में उत्पाद उपलब्ध हैं और बिक्री धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रही है। बाजार में रंग-बिरंगी टोपी, मुखौटे और होली थीम वाली टी-शर्ट भी बिकने लगी हैं। व्यापारियों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में खरीदारी और बढ़ेगी तथा होली से ठीक पहले बाजार पूरी तरह रंगों में सराबोर नजर आएगा।

संदिग्ध परिस्थितियों विवाहिता लापता

रुड़की (संवाददाता)। थाना क्षेत्र के एक गांव की निवासी विवाहिता शनिवार शाम संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। बताया गया है कि महिला अपने ससुराल से यह कहकर निकली थी कि वह मायके जा रही है, लेकिन देर शाम तक मायके नहीं पहुंची। परिजनों के अनुसार, महिला के ससुराल वालों ने शाम को उसके मायके फोन कर जानकारी ली तो पता चला कि वह वहां नहीं पहुंची है। इसके बाद ससुराल और मायके पक्ष के लोगों ने मिलकर रिश्तेदारों व जान-पहचान वालों के यहां उसकी तलाश की, लेकिन देर रात तक कोई सुराग नहीं मिल सका। मामले को गंभीरता से लेते हुए महिला के ससुराल पक्ष ने थाने में तहरीर देकर पुलिस से खोजबीन की मांग की है। थानाध्यक्ष अजय शाह ने बताया कि तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

आईटीबीपी महानिदेशक ने की मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट

- सीमांत क्षेत्रों के विकास और सुरक्षा समन्वय पर सरकार का फोकस तेज

देहरादून (संवाददाता)। रविवार को मुख्यमंत्री आवास में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राज्य की सीमाओं की सुरक्षा, सीमांत क्षेत्रों में विकास कार्यों तथा आपदा प्रबंधन में समन्वय को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेश की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की सुरक्षा में आईटीबीपी के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उत्तराखंड जैसे सीमावर्ती राज्य में आईटीबीपी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सीमांत क्षेत्रों में तैनात जवान न केवल देश की सुरक्षा में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं, बल्कि स्थानीय नागरिकों के साथ समन्वय स्थापित कर विकास कार्यों में भी सहभागी बन रहे हैं। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य सरकार सीमांत जिलों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। सड़क, स्वास्थ्य, संचार और आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के माध्यम से सीमांत क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने के प्रयास निरंतर जारी हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य सरकार और आईटीबीपी के बीच बेहतर समन्वय से सुरक्षा व्यवस्था और अधिक प्रभावी होगी।डीजी आईटीबीपी शत्रुजीत कपूर ने मुख्यमंत्री को सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं, आधुनिक संसाधनों तथा बल की तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा आईटीबीपी को दिए जा रहे सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी समन्वय बनाए रखने का आश्वासन दिया। बैठक में आपदा प्रबंधन, विशेषकर पर्वतीय क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों में आईटीबीपी की सक्रिय भूमिका पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के समय आईटीबीपी ने सदैव तत्परता और संवेदनशीलता के साथ कार्य कर प्रदेशवासियों का विश्वास जीता है।मुख्यमंत्री ने कहा कि "सुरक्षित सीमा, सशक्त उत्तराखंड" के संकल्प के साथ राज्य सरकार सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर कार्य कर रही है, ताकि सीमांत क्षेत्रों में शांति, सुरक्षा और विकास की त्रिस्तरीय व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भविष्य में राज्य सरकार और आईटीबीपी के मध्य नियमित संवाद एवं प्रभावी समन्वय की अपेक्षा की।

जल संरक्षण और स्वच्छता के संकल्प के साथ गंगनहर घाटों व सड़कों पर उतरे सैकड़ों सेवादार

रुड़की (संवाददाता)। जल संरक्षण और स्वच्छता का संदेश लेकर रविवार सुबह गंगनहर के घाटों और सड़कों पर सैकड़ों सेवादारों ने श्रमदान किया। संत निरंकारी मिशन के 'प्रोजेक्ट अमृत' के तहत आयोजित इस अभियान में पुरुषों, महिलाओं और छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और नगर निगम पुल से गणेशपुर पुल तक सफाई कर स्वच्छ जल, स्वच्छ समाज का संकल्प दोहराया। सेवादारों ने गंगनहर घाटों के साथ ही गंगनहर पटरी को भी चकाचक कर दिया। रविवार को संत निरंकारी मिशन द्वारा संचालित प्रोजेक्ट अमृत के चौथे चरण के तहत शहर के रविदास घाट, लक्ष्मी नारायण घाट सहित प्रमुख घाटों, सड़कों और पार्कों में व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। यह अभियान सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज के निर्देशन में देशभर में सुबह 8 से 11 बजे तक आयोजित किया गया। रुड़की ब्रांच की ओर से आयोजित कार्यक्रम में भगवानपुर और नन्हेड़ा अनंतपुर क्षेत्र से आए सेवादारों ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी की। हाथों में सफाई उपकरण लेकर सेवादारों ने घाटों से कूड़ा-करकट हटाया और आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ बनाया। अभियान के दौरान मसूरी जोन के जोनल इंचार्ज हरभजन सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट दीपक रामचंद्र शेट व नगर विधायक प्रदीप बत्रा ने पहुंचकर सेवादारों का उत्साहवर्धन किया। अतिथियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि जल स्रोतों की स्वच्छता आज की बड़ी आवश्यकता है और ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं। मिशन के हरभजन सिंह व सागर कुकडेजा ने बताया कि 'प्रोजेक्ट अमृत' की शुरुआत वर्ष 2023 में जल संरक्षण को जनआंदोलन का रूप देने के उद्देश्य से की गई थी।

महिला की जमीन की फर्जी रजिस्ट्री का आरोप, पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज

रुड़की (संवाददाता)। कस्बा भगवानपुर निवासी एक महिला ने कुछ लोगों पर धोखाधड़ी कर उसकी जमीन अपने नाम रजिस्ट्री करने का आरोप लगाया है। मामले में पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, हेमलता पांडेय ने भगवानपुर थाने में तहरीर देकर बताया कि कुछ व्यक्तियों ने कथित रूप से धोखाधड़ी कर उसकी भूमि की रजिस्ट्री अपने नाम करा ली। महिला के अनुसार, संबंधित जमीन की कीमत लगभग 14 लाख 60 हजार रुपये है। पीड़िता ने आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर पृथ्वी सिंह निवासी शाहपुर थाना भगवानपुर, नंदकिशोर निवासी देहरादून तथा ईनाम के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

अंगदान की प्रक्रिया होगी और मजबूत, दून मेडिकल कॉलेज में जुटी विशेषज्ञों की टीम

देहरादून (संवाददाता)। राजकीय दून मेडिकल कॉलेज (जीडीएमसी) में शनिवार को अंगदान और प्रत्यारोपण प्रक्रिया को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। सोटो (ैव्ज्व्) उत्तराखंड और मोहन फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने राज्य में मृतक अंगदान (कैडेवर डोनेशन) की दर बढ़ाने और कानूनी बारीकियों पर विस्तार से चर्चा की। ब्रेन डेथ की पहचान और समन्वय पर जोर कार्यशाला का उद्घाटन डीजी हेल्थ डॉ. शिखा जनपंगी, डॉ. प्रीति पंत, डीएमई डॉ. अजय आर्य, अपर निदेशक डॉ. आर.एस. बिष्ट और जीडीएमसी के प्राचार्य व सोटो के नोडल अधिकारी डॉ. अतुल कुमार सिंह ने किया। वक्ताओं ने कहा कि अंगदान के लिए अस्पतालों और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय अनिवार्य है। एम्स दिल्ली के डॉ. दीपक गुप्ता ने ब्रेन स्टेम डेथ की पहचान और डोनर के रखरखाव पर तकनीकी जानकारी दी, जबकि मोहन फाउंडेशन की पल्लवी कुमार ने मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम (ज्भ्व्।) के कानूनी पहलुओं को समझाया। काउंसलिंग और पुलिस समन्वय की भूमिका कार्यशाला में श्ब्रेकिंग बैड न्यूज सत्र के माध्यम से बताया गया कि अंगदान के लिए शोक संतप्त परिवारों की काउंसलिंग कैसे की जाए। विशेषज्ञों ने आईसीयू टीम, पुलिस और मीडिया के बीच तालमेल की आवश्यकता पर बल दिया ताकि अंगदान की प्रक्रिया पारदर्शी और त्वरित हो सके। इनकी रही मौजूदगी कार्यशाला में एम्स ऋषिकेश, जौलीग्रांट, महंत इंदिरेश अस्पताल, मैक्स और ग्राफिक एरा मेडिकल कॉलेज के विशेषज्ञों सहित पुलिस विभाग के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मोहन फाउंडेशन के संचित अरोड़ा और सोटो के मुकेश सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हिन्दी दैनिक जोखिम

श्री गुरु तेग बहादुर वेलफेयर ट्रस्ट ने कराया 11 निर्धन कन्याओं का विवाह

-अग्रसेन ट्रस्ट में आयोजित समारोह में जनप्रतिनिधियों व धार्मिक हस्तियों ने दिया नवदम्पत्तियों को आशीर्वाद

सितारगंज, (संवाददाता)। श्री गुरु तेग बहादुर वेलफेयर ट्रस्ट और जिंदगी जिंदाबाद समिति की ओर से छठा सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान 11 निर्धन कन्याओं का सामूहिक विवाह कराया गया।

रविवार को महाराजा अग्रसेन धर्मार्थ ट्रस्ट में सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ट्रस्ट के संस्थापक देवेंद्र सिंह, ट्रस्ट के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों व धार्मिक हस्तियों ने समारोह में पहुंचकर नव दम्पत्तियों को आशीर्वाद दिया। इस दौरान नवदम्पत्तियों को उपहार भेंट किये।सिख जोड़ों का गुरुद्वारा साहिब में व हिन्दु जोड़ों का मंदिरों में रीति रिवाज से फेरे कराये गये। दुल्हन पक्ष के परिजनों, रिश्तेदारों व क्षेत्रवासियों ने पुष्पवर्षा कर दूल्हा पक्ष का स्वागत किया और फिर जयमाला हुई। श्री गुरु तेग बहादुर वेलफेयर ट्रस्ट और जिंदगी जिंदाबाद समिति की ओर से परिणय सूत्र में बंधने वाले जोड़ों को गृहस्थी का सामान उपहारस्वरूप भेंट किया। कार्यक्रम का संचालन सुप्रीत बॉबी भाटिया ने किया। यहां स. देवेंद्र सिंह, करमजीत सिंह चन्ना, भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, पालिकाध्यक्ष सुखदेव सिंह, दल विधि चंद बाबा अवतार सिंह, दलजिंदर सिंह, शिव कुमार मित्तल, आगर डेरा बाबा भाई पाल सिंह, पलविंदर सिंह, लक्खा सिंह, गुरप्रीत सिंह देओल, सुखबीर सिंह बेदी, बलजिंदर सिंह मान, सुरेश अग्रवाल, रोशन लाल अग्रवाल, सुरेश सिंघल, डॉ. कुलदीप सिंह, गुरदयाल सिंह, गुरतेज सिंह, राजेश मित्तल, अशोक गौतम, सुरेश कंबोज, दलजिंदर सिंह, गुरविंदर सिंह, रवनीत कौर, बलजीत कौर, सुनीता, जानवी कौर, डॉ कुलदीप सिंह, मुकेश गर्ग मौजूद रहे।

हिंदू एकता, संस्कृति, संस्कार व राष्ट्र समर्पण पर जोर

काशीपुर (संवाददाता)। रविवार को काशीपुर में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन में हिंदू एकता, संस्कृति, संस्कार, राष्ट्र समर्पण पर जोर दिया गया। पांच अलग-अलग स्थानों पर आयोजित विराट हिन्दू सम्मेलन के तहत मोहल्ला किला स्थित गंगेबाबा मंदिर सभागार में सत्य सनातन हिन्दू सम्मेलन समिति प्रताप तथा खत्रियान बस्ती के तत्वावधान में आयोजित हिन्दू सम्मेलन का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रांत संस्कृति, मठ मंदिर प्रमुख महंत विकास नाथ समेत अतिथियों ने किया। मुख्य वक्ता विभाग मंत्री विश्व हिंदू परिषद नैनीताल पीयूष ने संघ के 100 वर्षों की विकास यात्रा पर प्रकाश डाला। महिला वक्ता नीरजा चौधरी ने पंच परिवर्तन के तहत कुटुंब प्रबोधन और पर्यावरण संरक्षण पर विचार व्यक्त किए। यहां कार्यक्रम संयोजक अभिषेक गोयल, सर्वेश शर्मा शशि, रामरतन सक्सेना, आशीष शर्मा, राजेश शर्मा आदि मौजूद रहे। उधर, गौतम नगर स्थित रॉयल इंक्लेव मैदान में सनातन सेवा समिति के तत्वावधान में हुए सम्मेलन में मुख्य वक्ता क्षेत्रीय बौद्धिक प्रमुख तपन ने कहा कि जाति, धर्म, भेदभाव समाज में जिस तरह बढ़ रहे हैं। यहां कथा व्यास शशांक भारद्वाज, पीसीयू चेयरमैन राम मेहरोत्रा, संयोजक डॉ. एमपी सिंह, अधिवक्ता नृपेंद्र चौधरी, खिलेंद्र चौधरी, रविंद्र चौहान रहे। उधर, आवास विकास स्थित आयोजित विराट हिन्दू सम्मेलन में मुख्य वक्ता बजरंग दल महासचिव पश्चिमी प्रदेश आचार्य आदित्य प्रताप ने अपने विचार रखे। यहां महापौर दीपक बाली, संयोजक नगर अध्यक्ष भाजपा सुशील शर्मा, कृष्ण कुमार अग्रवाल, डॉ. आरसी शर्मा, योगेश विश्नोई, पार्षद पुष्कर सिंह बिष्ट, पार्षद मोनू चौधरी मौजूद रहे। उधर, गोलू गार्डन में चामुंडा हिन्दू जागरण समिति की ओर से आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक के शताब्दी वर्ष पर बोलते हुए मुख्य अतिथि स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि सत्य सनातनी अपनी संस्कृति, धर्म और मान्यताओं पर सदैव टिके रहें। क्षेत्र ग्राम विकास प्रमुख देवेन्द्र ने संघ के 100 वर्षों के प्रमुख कार्यों पर प्रकाश डाला।

सनातन में रहने के लिए मर्यादाओं का पालन जरूरी : दयालु महाराज

नैनीताल (संवाददाता)। संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर नगर में रविवार को हिन्दू सम्मेलन आयोजित किया गया। इस दौरान वक्ताओं ने एकता, संस्कृति संरक्षण और धार्मिक जागरण पर जोर दिया। मुख्य वक्ता दयालु महाराज ने कहा, सनातन में रहने के लिए मर्यादाओं का पालन जरूरी है। द्वारिका पीठाधीश्वर शंकराचार्य त्रिलोकी स्वरूप ने शास्त्र ज्ञान के साथ आत्मरक्षा के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। नीरज महादेव, प्रगति जैन ने भवाली में नाबालिग से दुष्कर्म की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए, इसे समाज के लिए गंभीर चेतावनी करार दिया। इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक संजय वर्मा, पवन भाकुनी, जिला प्रचारक अमित कैलाश चंद्र सुयाल, विधायक सरिता आर्या, ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश बिष्ट, मंडल अध्यक्ष हिमांशु बिष्ट, विहिप जिलाध्यक्ष खजान भट्ट, पूर्व जिला मंत्री प्रकाश आर्या, निवर्तमान प्रदेश महामंत्री भावना मेहरा, दर्जाधारी दिनेश आर्या आदि मौजूद रहे।

अल्मोड़ा में हिंदू सम्मेलन का आयोजन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

अल्मोड़ा (संवाददाता)। नगर के लोअर माल रोड स्थित सिमकनी मैदान में रविवार को हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता लाल बाबा ने की, जबकि विभिन्न वक्ताओं ने समाज संगठन, सांस्कृतिक जागरण और राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर अपने विचार रखे। सम्मेलन में राष्ट्रीय सेविका समिति की प्रांत बौद्धिक प्रमुख रेखा जोशी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शारीरिक शिक्षण प्रमुख सुनील ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। इस दौरान क्षेत्रीय सांसद भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। कार्यक्रम के तहत देवभूमि सांस्कृतिक समिति, अल्मोड़ा और संस्कृति विभाग उत्तराखंड के सहयोग से सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। हास्य कलाकार मोहन दा और अमित भट्ट के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रमों ने दर्शकों का मनोरंजन किया। नारायण थापा और पीरूल संस्था की ओर से प्रस्तुत छोलिया नृत्य ने विशेष आकर्षण बटोरा। इस आयोजन में मां अम्बे इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेज और त्रिपुरा सुंदरी महिला समिति का भी सहयोग रहा। विद्या भारती के शिशु मंदिर और विवेकानंद विद्या मंदिर के विद्यार्थियों के साथ भारतीय जनता पार्टी और उससे जुड़े विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन चंद्र प्रकाश फुलोरिया ने किया। अंत में मां नंदा हिंदू सम्मेलन समिति की ओर से मनोज सनवाल और अजीत पवार ने सभी अतिथियों और उपस्थित लोगों का आभार जताया। आयोजन के समापन पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, अल्मोड़ा के प्रति विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया गया। सम्मेलन से पूर्व युवाओं द्वारा बाइक रैली व रंगारंग सांस्कृतिक झांकी भी निकल गई।

धर्म और राष्ट्र रक्षा हर व्यक्ति की जिम्मेदारी: अवस्थी

हल्द्वानी(संवाददाता)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर रविवार को राजपुरा में हिन्दू सम्मेलन हुआ। मुख्य वक्ता ज्योति अवस्थी ने आरएसएस की उपलब्धियों व इतिहास से लोगों को अवगत कराया। उन्होंने लोगों से धर्म और राष्ट्र की रक्षा प्रयासरत रहने का आह्वान किया। भारत माता के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर अतिथियों ने सम्मेलन का उद्घाटन किया। बौद्धिक सत्र में सशक्त एकता व्यापार मंडल की प्रदेश अध्यक्ष ज्योति अवस्थी ने कहा कि समाज सेवा के माध्यम से आरएसएस ने देश-दुनिया में पहचान कायम की है। आरएसएस जिला प्रचार प्रमुख प्रदीप लोहनी ने आरएसएस के नेताओं के संघर्षों की कहनी बयां की। उन्होंने परिवार व कुटुंबकम की परिभाषा से लोगों को अवगत कराया। शास्त्री राधेश्याम महतोलिया ने स्वास्तिय वाचन और हनुमान चालीसा पाठ किया। यहां नगर प्रचारक प्रभाकर तत्तारी, नगर कारवां हल्द्वानी के तनुज गुप्ता, मेयर गजराज सिंह बिष्ट, हितेश शर्मा, राधेश्याम रावत, सोनू शर्मा, नन्हें कश्यप, विक्रम रंधावा, जानकी प्रसाद, नंदकिशोर आर्य, नितेश कश्यप, राहुल रस्तोगी रहे। संचालन रविंद्र बाली ने किया।

रयाल को बेस्ट मीडिया एजुकेटर ऑफ डिजिटल जर्नलिज्म सम्मान

हल्द्वानी (संवाददाता)। राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित संस्था मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित 20वें मीडिया एक्सीलेंस अवॉर्ड्स 2026 समारोह में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के निदेशक पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन प्रो. डॉ. राकेश चन्द्र रयाल को बेस्ट मीडिया एजुकेटर ऑफ डिजिटल जर्नलिज्म सम्मान से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें डिजिटल पत्रकारिता, सांस्कृतिक संचार और डिजिटल संचार के क्षेत्र में दिए गए उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया। समारोह नई दिल्ली के पीएलबी ऑडिटोरियम, बीएसजेड मार्ग, आईटीओ में आयोजित किया गया। सम्मान मिलने पर कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी, प्रो. गिरजा पांडे, सुनीता भास्कर उप्रेती, अनिल नैनवाल ने खुशी जताई।

शिक्षकों ने दी बोर्ड परीक्षा बहिष्कार की धमकी

हल्द्वानी (संवाददाता)। उत्तराखंड के प्रारंभिक शिक्षा निदेशक अजय कुमार नौडियाल पर जानलेवा हमले की घटना की शिक्षकों ने कड़ी निंदा की है। रविवार को राजकीय शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष गिरीश चंद जोशी के नेतृत्व में शिक्षक और कर्मचारियों ने बुद्ध पार्क में विरोध जताया। मामले में उन्होंने तहसीलदार कुलदीप पांडे के नेतृत्व में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन सौंपा। जिसमें उन्होंने दोषियों के खिलाफ जल्द कार्रवाई करने, सरकारी कार्यालयों में सुरक्षा बढ़ाने और अराजकता रोकने की मांग की। ऐसा नहीं करने पर बोर्ड परीक्षाओं का बहिष्कार करने की चेतावनी दी। ज्ञापन सौंपने वालों में पूर्व मंडलीय अध्यक्ष डॉ. गोकुल मर्तोलिया, जिला संरक्षक डॉ. धर्मेंद्र पनेरु, जिला उपाध्यक्ष मदन गिरी गोस्वामी, संयुक्त मंत्री गिरीश कांडपाल, पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ. विवेक पांडे, संयुक्त मंत्री गिरीश कांडपाल, भुवन पांडे, पूर्व मंडल उपाध्यक्ष दुर्गा दत्त गुणवंत, पूर्व महामंत्री डॉ. सोहन मंजिला आदि मौजूद रहे।

गार्गी नदी में चलाया स्वच्छता अभियान

हल्द्वानी (संवाददाता)। संत निरंकारी मिशन की ओर से स्वच्छ जल, स्वच्छ मन अभियान के तहत रविवार को गार्गी नदी व विद्युत शवदाह गृह में स्वच्छता अभियान चलाया गया। सतगुरु माता सुदीक्षा व राजपिता रमित के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ मेयर गजराज बिष्ट व दर्जा राज्यमंत्री दिनेश आर्या ने किया। संयोजक आनंद सिंह नेगी व क्षेत्रीय संचालक दीपक की देखरेख में करीब 500 सेवादारों ने श्रमदान किया। मेयर और राज्यमंत्री ने बाबा हरदेव सिंह के जन्मदिन पर समर्पित इस सेवा कार्य की सराहना की।

विधायक सुमित ने 34 लाख के विकास कार्यों का लोकार्पण किया

हल्द्वानी (संवाददाता)। वार्ड-17 हीरानगर स्थित संजय कॉलोनी और सतीश कॉलोनी में रविवार को विधायक सुमित हृदयेश ने अपनी विधायक निधि से स्वीकृत 33.95 लाख रुपये की लागत वाले विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इन कार्यों से क्षेत्र में सड़क, नाली, जल निकासी एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण किया गया। विधायक सुमित ने कहा कि वे क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं और प्रत्येक वार्ड में सुविधाओं को मजबूत करना उनकी प्राथमिकता हैं। अपनी माताजी पूर्व कैबिनट मंत्री स्व. इंदिरा हृदयेश के आदर्शों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, मैं उनकी सीख और विकास कार्यों को आगे बढ़ाना अपना कर्तव्य मानता हूं। वार्ड-17 के पार्षद शैलेन्द्र दानू और स्थानीय नागरिकों ने विधायक का आभार जताया। इस दौरान पूर्व विधायक ललित फर्स्वाण, महानगर अध्यक्ष गोविंद सिंह बिष्ट, विमला सांगुड़ी, ललित परगाई, चंदन सिंह राणा, दीपक आर्य, कृष्णा नंद जोशी, अंकित जोशी, मंजू दानू, हिमांशु जोशी, आस्था लटवाल, मुकेश अग्रवाल, अजय अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, महेश अग्रवाल, करुणा अग्रवाल, ऊषा अग्रवाल, क्षितिज अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

हिन्दी दैनिक जोखिम

आईजी कारागार ने सेंट्रल जेल, सम्पूर्णानंद शिविर में कैदियों के आत्मनिर्भरता को सराहा

-आईजी कारागार ने केंद्रीय कारागार सितारगंज का किया निरीक्षण

-बंदियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जेल अधीक्षक अनुराग मलिक की पीठ थपथपायी

सितारगंज (संवाददाता)। आईजी (कारागार) करण सिंह नागन्याल ने केंद्रीय कारागार सितारगंज का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कारागार परिसर की व्यवस्थाओं का गहन परीक्षण किया। साथ ही, सुधारात्मक एवं उत्पादक गतिविधियों के लिए कारागार प्रशासन की सराहना की।शनिवार को आईजी कारागार करण सिंह नगन्याल सेंट्रल जेल व सम्पूर्णानंद शिविर का निरीक्षण करने पहुंचे। यहां कैदियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा था। मिंडा कॉर्पोरेशन की ओर से 60 बंदी दो वाहन कंपनियों के लिए वायर हार्नेस के काम में जुटे थे। इसके अलावा कारागार में विकसित दर्जी इकाई, लोहार इकाई, बढ़ईगीरी इकाई, नर्सरी एवं मिट्टी के गमले का निर्माण किया जा रहा था। बंदियों के लिए जेल परिसर में ही जैविक सब्जियां उगाई गयी हैं। आईजी ने कारागार परिसर में स्थापित श्रेडियो कक्षश का अवलोकन किया। जहां बंदियों की फरमाइश पर गाने बजाए जाते है। साथ ही उन्होंने रसोईघर एवं कारागार बेकरी का भी निरीक्षण किया। आईजी नागन्याल ने कारागार प्रशासन के कदमों को नवाचारपूर्ण और सुधारात्मक दिशा को अनुकरणीय बताया। उन्होंने रसोईघर एवं बेकरी की स्वच्छता, गुणवत्ता और पोषण स्तर की विशेष सराहना की। उन्होंने कहा कि सितारगंज कारागार ने सुधारात्मक प्रयासों को एक नई ऊंचाई दी है। जहां अनुशासन और आत्मनिर्भरता दोनों का आदर्श संगम दिखाई देता है। वरिष्ठ अधीक्षक अनुराग मलिक ने आईजी नागन्याल को बताया कि कारागार में बंदियों के व्यक्तित्व विकास और पुनर्वास के लिए के लिए किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी। यहां जेलर प्यारे लाल आर्या समेत अधिकारी व जेलकर्मी मौजूद रहे।

आईजी ने कारागार में बंदियों की सुनी समस्याएं

सितारगंज। निरीक्षण के बाद आईजी नागन्याल ने कारागार में बंदियों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की। साथ ही, उनकी समस्या को सुना। इस दौरान उन्होंने बंदियों को सकारात्मक सोच एवं आत्म-संवर्धन की दिशा में अग्रसर रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कैदियों को संबोधित करते हुए कहा कि जेल अधीक्षक अनुराग मलिक के नेतृत्व में सितारगंज कारागार सुधार एवं नवाचार का केंद्र बन चुका है। उनके प्रभावी एवं दूरदर्शी नेतृत्व से कारागार में अनुशासन, स्वच्छता और मानवीय संवेदना का समुचित समन्वय देखने को मिला। साथ ही, उन्होंने जेल कर्मियों को उनके अनुशासन, तत्परता एवं सेवा-भाव के लिए बधाई दी। कहा कि ऐसे सुधारात्मक प्रयास से समाज में पुनर्प्रवेशन एवं पुनर्संस्कार की भावना को सशक्त होगी। उन्होंने आश्वसत किया कि कैदियों की समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द किया जायेगा।

अर्धनग्न प्रदर्शन को लेकर लालकुआं में भाजपा कार्यकर्ताओं का आक्रोश भड़क उठा

लालकुआं (नैनीताल)(संवाददाता)। राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एआई समिट के दौरान यूथ कांग्रेस के कथित अर्धनग्न प्रदर्शन को लेकर लालकुआं में भाजपा कार्यकर्ताओं का आक्रोश भड़क उठा। भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मुख्य चौराहे पर जोरदार प्रदर्शन करते हुए राहुल गांधी का पुतला दहन किया और कांग्रेस के खिलाफ तीखी नारेबाजी की।युवा मोर्चा के प्रदेश महामंत्री दीपेंद्र सिंह कोश्यारी के नेतृत्व में जुटे कार्यकर्ताओं ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर आयोजित इतने महत्वपूर्ण कार्यक्रम में इस तरह का प्रदर्शन न सिर्फ शर्मनाक है बल्कि देश की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने वाला है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस कृत्य ने भारत की छवि को वैश्विक स्तर पर नुकसान पहुंचाया है।कोश्यारी ने राहुल गांधी से सार्वजनिक माफी की मांग करते हुए कहा कि कांग्रेस नेतृत्व को इस पूरे मामले पर जवाब देना चाहिए। भाजपा नेताओं ने चेतावनी दी कि देश के सम्मान से जुड़े मुद्दों पर पार्टी चुप नहीं बैठेगी।प्रदर्शन के दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष अरुण जोशी, महामंत्री धीरज सम्मल "बॉबी", विनोद शर्मा, चंदन बिष्ट, रोहन चौधरी, हेम जोशी, भारत जेठा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। मौके पर पुलिस बल तैनात रहा और स्थिति नियंत्रण में रही।

सड़क पार कर रहे शख्स को ट्रक ने कुचला

उधम सिंह नगर (संवाददाता)। उधम सिंह नगर जिले से हादसे की खबर सामने आ रही है। शक्तिफार्म ठाकुर नगर रुदपुर क्षेत्र में ट्रक ने सड़क पर चल रहे शख्स को कुचल दिया। हादसे में व्यक्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार सुशांत गाइन (55) निवासी ठाकुर नगर रोज की तरह ही सुबह काम पर निकले थे। सिरसा मोड़ पर रोड क्रॉस करने के दौरान पीछे से आ रहे ट्रक ने सुशांत को कुचल दिया। हादसे में शख्स की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोलिस ने हादसे की सूचना मृतक के परिजन को दे दी है। अचानक हुए इस हादसे से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।

सड़क खोदने का काम जोर-शोर से जारी

हल्द्वानी (संवाददाता)। शहर में जिधर नजर जाएगी जहां-तहां सड़क खोदने का काम जोर-शोर से जारी है। गड्ढों से बेहाल सड़कों पर लगातार हादसे हो रहे हैं किसी अधिकारी को इन सब कार्यों से जैसे कोई मतलब ही नहीं है । विकास के नाम पर खोदी गई सड़कें अब लोगों के लिए 'काल' साबित हो रही हैं।रविवार को आज इन सड़क खुदान के चलते एक और बड़ी दुर्घटना हो गयी। दोपहर पनचक्की रोड

स्थित अंबिका विहार के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में 70 वर्षीय बुजुर्ग सुरेश चंद्र पांडे की मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब सड़क पर सीवर लाइन डालने के लिए किए गए गड्ढों के कारण यातायात बाधित था और बुजुर्ग एक भारी ट्रक की चपेट में आ गए। मृतक सुरेश चंद्र पांडे रानीबाग से एक अंत्येष्टि में शामिल होकर स्कूटी से अपने घर शांति नगर लौट रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सड़क पर खोदे गए गहरे गड्ढों के कारण रास्ता संकरा था। जब उन्होंने पास लेने की कोशिश की, तो उनकी स्कूटी ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि सिर पर हेलमेट होने के बावजूद वह उन्हें बचा नहीं सका और मौके पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गई।इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में प्रशासन और कार्यदायी संस्था (नैक्स) के खिलाफ भारी आक्रोश है।स्थानीय पार्षद मुकुल बल्यूटिया ने सीधे तौर पर विभाग को इसका जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि पिछले दो महीनों से सीवर लाइन के लिए जगह-जगह बड़े गड्ढे खोदे गए हैं, जिन्हें बार-बार शिकायत के बाद भी भरा नहीं गया। इसी लापरवाही के कारण आज एक जान चली गई।

क्वारब डेंजर जोन में बोल्डर गिरने से स्कूटी सवार घायल

अल्मोड़ा (संवाददाता)। अल्मोड़ा-हल्द्वानी हाईवे पर स्थित क्वारब डेंजर जोन में रविवार दोपहर बड़ा हादसा हो गया। पहाड़ी से गिरे विशाल बोल्डर की चपेट में आने से स्कूटी सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि एक बालिका को भी चोट आई है। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार दोपहर करीब तीन बजे क्वारब क्षेत्र में जाम खुलने के बाद जैसे ही शुरू हुई, अचानक पहाड़ी आ गिरा, जो एक स्कूटी पर स्कूटी सवार 40 वर्षीय भगवत घायल हो गए। टक्कर इतनी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। टूटकर निकले पत्थर का एक रही बाइक पर बैठी एक लगा, जिससे उसे भी हल्की मौजूद लोगों ने तत्परता भगवत राम को तत्काल अल्मोड़ा पहुंचाया। प्राथमिक रूप से घायल युवक को किया गया है। चिकित्सकों स्थिति फिलहाल स्थिर है।

जाम लगा हुआ था। वाहनों की आवाजाही से भारी बोल्डर नीचे जा लगा। हादसे में राम गंभीर रूप से तेज थी कि स्कूटी इसी दौरान बोल्डर से टुकड़ा पास से गुजर बालिका के सिर पर चोट आई। मौके पर दिखाते हुए घायल बेस चिकित्सालय उपचार के बाद गंभीर हायर सेंटर रेफर के अनुसार उसकी बताया जा रहा है कि क्वारब क्षेत्र में इन दिनों दरकती पहाड़ी के उपचार का कार्य चल रहा है। स्थानीय लोगों ने घटना के बाद पहाड़ी मार्गों पर सुरक्षा इंतजाम मजबूत करने की मांग उठाई है, ताकि इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। वहीं कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज ने घटना को गंभीर बताते हुए कहा कि क्वारब क्षेत्र में लगातार भूस्खलन और पत्थर गिरने की घटनाएं हो रही हैं, लेकिन स्थायी समाधान के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। उन्होंने घायल को नि:शुल्क उपचार और आर्थिक सहायता देने के साथ ही क्षेत्र में भू-वैज्ञानिक सर्वे कराकर स्थायी सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की मांग की है। साथ ही जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने पर भी जोर दिया और चेतावनी दी कि शीघ्र कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन किया जाएगा।

हिन्दी दैनिक जोखिम

विधायक उमेश शर्मा काऊ व बीजेपी के खिलाफ नारेबाजी की और पुतला दहन किया

रामनगर (**संवाददाता**)। युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने प्रारंभिक शिक्षा निदेशक अजय कुमार नौटियाल के साथ भाजपा विधायक उमेश शर्मा काऊ और उनके समर्थकों द्वारा की गई कथित बदसलूकी और मारपीट के खिलाफ रामनगर में धरना प्रदर्शन किया।आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने रामनगर के मुख्य चौराहे लखनपुर पर एकत्रित होकर विधायक उमेश शर्मा काऊ व बीजेपी के खिलाफ नारेबाजी की और उनका पुतला दहन किया।प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे

युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष सुमित लोहनी ने कहा कि लोकतंत्र में जनप्रतिनिधियों का कर्तव्य अधिकारियों और जनता की रक्षा करना होता है, लेकिन सत्ता के नशे में चूर भाजपा विधायक श्भक्षकश की भूमिका निभा रहे हैं। शिक्षा जगत के एक वरिष्ठ अधिकारी के साथ इस तरह का व्यवहार न केवल शर्मनाक है, बल्कि पूरी शिक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक ढांचे का अपमान है।युवा कांग्रेस ने विधायक उमेश शर्मा काऊ अपने इस कृत्य के लिए प्रारंभिक शिक्षा निदेशक अजय कुमार नौटियाल से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। प्रदेश सरकार सुनिश्चित करे कि सरकारी अधिकारी बिना किसी राजनीतिक दबाव या भय के अपना काम कर सकें।उन्होंने कहा कि ऐसी गुंडागर्दी करने वाले जनप्रतिनिधियों पर पार्टी और सरकार सख्त कार्रवाई करे ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।युवा कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि षशिक्षा जगत का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।यदि विधायक द्वारा माफी नहीं मांगी गई और अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की गई, तो युवा कांग्रेस पूरे प्रदेश में उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी।ष्इस अवसर पर युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष,सुमित लोहनी विधानसभा अध्यक्ष अमित कुमार,ब्लॉक अध्यक्ष मालधन नितिन शाह, सभासद सचिन कुमार, सभासद सोनू करीम,केवल सिंह, विकाश कुमार आर्य,प्रमोद कुमार हरदीप सिंह सोनू तिवारी दीपक रावत आदि मौजूद रहें।

सिरसा मोड़ पर हुए ट्रक की टक्कर में शक्तिफार्म निवासी बाइक सवार की मौत

-पॉपुलर की पौध लगाने के लिए जा रहा था उत्तमनगर, सिरसा मोड़ पर हाईवे कट से मुड़ते समय हुआ हादसा

शक्तिफार्म (संवाददाता)। थाना बहेड़ी यूपी क्षेत्रांतर अंतर्गत एनएन- 74 सितारगंज किच्छा मार्ग में पर ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत हो गयी। घटना के बाद आरोपी चालक ट्रक समेत फरार हो गया। बहेड़ी पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। रविवार की सुबह सिरसा मोड़ पर हाईवे में कट से मुड़ते समय एक कैंटर की चपेट में बाइक आ गयी। टक्कर में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गयी। मृतक की शिनाख्त रूदपुर, शक्तिफार्म निवासी 55 वर्षीय सुशांत गाईन के रूप में हुई। रविवार को तीन बाइकों से छह लोग उत्तमनगर, किच्छा के पास स्थित फॉर्म में पॉपुलर की पौध लगाने के लिए जा रहे थे। तभी रास्ते में सिरसा मोड़ के पास हाइवे में लोगों के तोड़कर बनाये कट से मुड़ते समय सितारगंज की ओर से आ रहे कैंटर के नीचे आने से सुशांत गाईन कुचल गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची यूपी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। बाइक में पीछे बैठे साथी नांटू मजूमदार ने बताया कि वह सुशांत गाईन की बाइक में उसके साथ पीछे बैठा था। सिरसा मोड पर वह बाइक से उतर गया था। इधर परिजनों ने बताया कि सुशांत मेहनत मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करता था। उसके परिवार में पत्नी, बेटा और बहु है। वहीं, उसकी मौत की खबर से तीनों का रो-रो कर बुरा हाल है। ट्रक चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया। सिरसा चौकी इंचार्ज मनोज उपाध्याय ने बताया कि तहरीर मिलने पर वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। पुलिस ट्रक की शिनाख्त में जुटी है।

शिव शक्ति मंदिर समिति के वार्षिकोत्सव में निकाली कलश यात्रा

सितारगंज (संवाददाता)। श्री शिव शक्ति मंदिर सिसईखेड़ा में दशम वार्षिकोत्सव के अवसर पर रविवार को कलश यात्रा निकाली गयी। पारम्परिक परिधानो में सजी महिलाओं ने बघौरा शिव मंदिर से कलश यात्रा निकाली

गयी। कलश यात्रा सिसईखेड़ा के श्री शिशक्ति मंदिर पहुंची। यहां वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ कलशों की स्थापना की गयी। दोपहर में गणेश पूजन के बाद रुद्राभिषेक हुआ। इसके बाद हवन कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस मौके पर कमेटी के अध्यक्ष गोपाल दत्त जोशी, महेश जोशी, महेश पंत, महेश पचौली, गिरीश जोशी, योगेश बिष्ट, रमेश जोशी, ललित, चन्द्रशेखर बहुगुणा, बसंत बल्लभ, हेम जोशी, अंशुल तिवारी, योगेश पंत, सुमित, विनोद, विपिन, जगदीश गहतोड़ी, मीरा जोशी, कमला जोशी, प्रेमा जोशी, बीना पाण्डे, शांति जोशी, कमला पाण्डे, गीता तिवारी, रुचि जोशी, प्रकाश जोशी मौजूद रहे।

उत्तरी भारत के तर्कशीलों का सम्मेलन रामनगर में संपन्न हुआ'

रामनगर (संवाददाता)। उत्तर भारत के तर्कशीलों व ज्ञान विज्ञान को लेकर समाज में जागरूकता का काम कर रहे संगठनों एवं लोगों का सम्मेलन 21 और 22 फरवरी को अग्रवाल सभा भवन रामनगर में संपन्न हुआ। सम्मेलन में शामिल सभी संगठनों एवं प्रतिनिधियों ने सांझा मंच की आग बढ़ाते हुए नेशनलिस्ट फेडरेशन आफ इंडिया नोर्थ जोन का गठन किया।सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए तहसील सोसाइटी पंजाब कार्डिनेशन कमेटी के अध्यक्ष जसवंत मोहाली ने कहा कि भारत का संविधान की धारा 51 ए एच के तहत सभी नागरिकों का दायित्व है कि वे समाज में वैज्ञानिक चिंतन और ज्ञानार्जन की भावना पैदा करें। इसके बावजूद भी समाज में अंधविश्वास और कूपमण्डूकता को बढ़ावा दिया जा रहा है और सरकारें भी अंधविश्वास और पाखंड को इसे बढ़ा रही हैं।साइंस फॉर सोसाइटी के संयोजक मदन सिंह ने कहा कि वैज्ञानिक चेतना के लिए काम करने वाले सभी

संगठनों और लोगों की सांझा गतिविधियों से समाज में तर्कशील आंदोलन मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि हमारे देश और संविधान की बुनियाद धर्मनिरपेक्षता और लोकतांत्रिक मूल्यों पर टिकी हुई है। हम उम्मीद करते हैं कि नेशनलिस्ट फेडरेशन आफ इंडिया इन संविधानिक मूल्यों को स्थापित करने में अहम भूमिका निभाएगा।22 फरवरी की शाम को विज्ञान और अंधविश्वास को लेकर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में पंजाब से आए रामकुमार ने हवा से सोने की चौन पैदा करने, त्रिशूल को जीभ से आर पार कर लोगों को अचंभित कर दिया।

गैस के कैप्सूल की टक्कर से बाइक सवार दम्पत्ति समेत तीन घायल

-महिला की हालत गम्भीर, आये दिन हो रहे हादसे।

-हादसे रोकने के लिए निर्णयों को धरातल पर नहीं उतारा विभागों के अफसरों ने।

सितारगंज, (संवाददाता)। सितारगंज में सिडकुल बाईपास मार्ग में गैस के कैप्सूल वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में पति-पत्नी व उनकी बच्ची गम्भीर रूप से घायल हो गये। घायलों को सितारगंज के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महिला की हालत गम्भीर बतायी जा रही है।सितारगंज के सिडकुल बाईपास मार्ग में हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। तिरंगा चौक से बिजटी चौक, महाराणा महाराणा प्रताप चौक व नकुलिया चौक की ओर आये दिन सड़क हादसे हो रहे हैं। रविवार की सुबह पूरनपुर, यूपी निवासी राहुल गुप्ता अपनी पत्नी राखी गुप्ता और छह वर्षीय बेटी के साथ बाइक से हल्द्वानी रिश्तेदारी में जा रहे थे। जैसे ही वे सितारगंज सिडकुल बाईपास मार्ग में रजा मैरिज हॉल के पास पहुंचे तभी पीछे से आ रहे गैस के कैप्सूल वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक पर पीछे बैठी राखी गुप्ता, राहुल और बच्ची ट्रक की चपेट में आ गये। हादसे के बाद मौके पर लोगों ने गंभीर रूप से घायल दंपति और उनकी बच्ची को तत्काल नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के दौरान चिकित्सकों ने राखी गुप्ता की हालत अत्यंत गंभीर बताई। डॉक्टरों के अनुसार हादसे में उनका पैर कुचल गया है। मामले में गंभीर रूप से घायल राखी गुप्ता को हायर सेंटर हल्द्वानी रेफर कर दिया गया है। वहीं राहुल गुप्ता के पैर में फ्रैक्चर है।

ग्रीन फील्ड एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र अंश अग्रवाल ने जेईई मेन में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

रामनगर (संवाददाता)। ग्रीन फील्ड अकैडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के कक्षा 12वीं के छात्र अंश अग्रवाल ने ज्वाइंट इंट्रेंस एक्जामिनेशन मैन जेईई मेन 2026खसेशन 1 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 98.54 एनटीए स्कोर प्राप्त किया है।विषयवार प्रदर्शन में उन्होंने भौतिकी में 97.58, रसायन विज्ञान में 98.29 और गणित में 97.46 एनटीए स्कोर अर्जित किया। वर्तमान में अंश 12वीं बोर्ड परीक्षा दे रहे हैं और इस महत्वपूर्ण परीक्षा में उनकी यह उपलब्धि विद्यालय के लिए बहुत ही गर्व का विषय है।विद्यालय के मैनेजर डायरेक्टर शिशुपाल सिंह रावत, डायरेक्टर गौरव रावत एवं प्रधानाचार्या कंचन बिष्ट सहित सभी शिक्षकों ने अंश को इस शानदार सफलता पर हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।प्रबंधन ने इसे छात्र की कड़ी मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के उत्कृष्ट मार्गदर्शन का परिणाम बताया।विद्यालय परिवार ने विश्वास व्यक्त किया है कि अंश भविष्य में भी नई ऊँचाइयाँ प्राप्त कर विद्यालय, क्षेत्र एवं प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

हिन्दी दैनिक जोखिम

तापसी पन्नू को मृणाल ठाकुर ने दी पटखनी, अस्सी से आगे निकली दो दीवाने शहर में, ओ रोमियो का जलवा बरकरार

बॉलीवुड के लिए ये शुक्रवार बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक साबित नहीं हुआ। तापसी पन्नू की अस्सी, जिसे समीक्षकों से तो सराहना मिली, लेकिन दर्शकों को खींचने में ये फिल्म पहले दिन पूरी तरह विफल रही, वहीं युवाओं के बीच चर्चा बटोर रही मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी की दो दीवाने शहर में ने भी बॉक्स ऑफिस पर बेहद ठंडी शुरुआत की है। हालांकि, दो दीवाने शहर में की पहले दिन की कमाई ने अस्सी को पछाड़ दिया है।सैकनिल्क के मुताबिक, अस्सी ने अपने पहले दिन देशभर में मात्र 1 करोड़ रुपये कमाए। ये आंकड़ा इसलिए भी चिंताजनक है क्योंकि इस साल आई यामी गौतम की महिला केंद्रित की छोटे बजट की फिल्म हक भी कमाई के मामले में इससे आगे रही। इसने भी 1.75 करोड़ रुपये बटोरे थे। मुल्क और थप्पड़ जैसी सफल फिल्मों के बाद निर्देशक अनुभव सिन्हा और तापसी इस बार अस्सी लेकर आए, जिसे तारीफ तो खूब मिली, लेकिन दर्शक नसीब नहीं हुए।फिल्म समीक्षकों और ट्रेड पंडितों का स्पष्ट मानना है कि अस्सी जैसी गंभीर और विषय-प्रधान फिल्मों का भविष्य पूरी तरह से वर्ड ऑफ माउथ यानी दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर करता है। पहले दिन की सुस्त शुरुआत के बाद फिल्म के पास संभलने के लिए अब केवल वीकेंड का ही सहारा है। अब अगर शनिवार और रविवार को फिल्म की कमाई में बढ़िया उछाल नहीं आता तो सोमवार से फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर टिक पाना नामुमकिन हो जाएगा।उधर दो दीवाने शहर में ने पहले दिन

1.25 करोड़ रुपये कमाए। हालांकि, ये आंकड़ा बड़ा नहीं है, लेकिन तापसी की फिल्म अस्सी (1 करोड़) के मुकाबले ये फिल्म 25 लाख की बढ़त बनाने में कामयाब रही। फिल्म को युवाओं और मल्टीप्लेक्स दर्शकों का साथ मिला है। रवि उदयावर के निर्देशन वाली ये फिल्म मुंबई के 2 युवाओं की कहानी है, जो अपनी कमियों और अकेलेपन के बीच प्यार तलाशते हैं। शहरी युवाओं को इसकी कहानी खूब भा रही है।दूसरी ओर शाहिद कपूर की फिल्म ओ रोमियो बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूती से बनाए हुए है। अपने दूसरे हफ्ते में होने के बावजूद ये नई रिलीज फिल्मों (अस्सी और दो दीवाने शहर में) पर भारी पड़ रही है। फिल्म ने अपने दूसरे शुक्रवार को लगभग 2.25 करोड़ रुपये कमाए। जहां दो दीवाने शहर में (1.25 करोड़) और अस्सी (1 करोड़) मिलकर भी 2.25 करोड़ ही कमा पाई, वहीं ओ रोमियो ने अकेले इन दोनों के बराबर कमाई की।

रजनीकांत-कमल हासन की फिल्म केएचएक्स आरके का प्रोमो वीडियो जारी

लगभग आधी सदी (47 साल) के लंबे इंतजार के बाद, दक्षिण भारतीय सिनेमा के दो सबसे बड़े महानायक रजनीकांत और कमल हासन एक साथ सिल्वर स्क्रीन पर वापसी कर रहे हैं. इस फिल्म का निर्देशन नेल्सन दिलीपकुमार कर रहे हैं. इस फिल्म का नाम अभी नहीं बताया गया है. फिलहाल इस मेगा-प्रोजेक्ट को अस्थायी रूप से केएचएक्सआरके नाम दिया गया है.शनिवार को इस फिल्म के निर्माताओं ने इसका पहला प्रोमो वीडियो जारी किया. इस प्रोमो वीडियो में एक जबरदस्त रेट्रो और गैंगस्टर-स्टाइल थीम दिखाई गई है. वीडियो की शुरुआत काफी मजेदार अंदाज में होती है, जहां निर्देशक नेल्सन को एक गलियारे में घबराहट के साथ चलते हुए देखा जा सकता है. वे इस उलझन में नजर आते हैं कि उन्हें पहले रजनीकांत के कमरे में जाना चाहिए या कमल हासन के.ठीक उसी समय, संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर अपनी एक अलग दुविधा के साथ वहां आते हैं. वे नेल्सन से पूछते हैं कि उन्हें फिल्म के संगीत के लिए कौन सा राग चुनना चाहिए. अपनी दो उंगलियां दिखाते हुए, अनिरुद्ध नेल्सन को संदेह होने पर कोई एक चुन लें वाला क्लासिक तरीका अपनाने का सुझाव देते हैं. अनिरुद्ध को फैसला लेने में मदद करने के बाद, नेल्सन इसी ट्रिक का इस्तेमाल अपनी बड़ी उलझन सुलझाने के लिए करते हैं. यानी दोनों दिग्गजों में से किसी एक को चुनने के लिए. इसके बाद एक मजेदार मोंटाज (दृश्यों का सिलसिला) आता है, जिसमें नेल्सन दोनों अभिनेताओं को तैयार होने में मदद करते हुए दिखाई देते हैं.वे मजाकिया अंदाज में उनके सामान और कपड़ों को आपस में मिला देते हैं और पूरे आत्मविश्वास के साथ दावा करते हैं कि एक खास जूता रजनीकांत का है, जिससे दोनों सितारे साफ तौर पर चिढ़ते हुए नजर आते हैं.इसके बाद प्रोमो का मिजाज पूरी तरह बदल जाता है. वीडियो में बेहद नाटकीय अंदाज में कमल हासन और रजनीकांत के स्टाइलिश लुक का खुलासा होता है. दोनों सितारे फुल-लेंथ लेदर जैकेट पहने नजर आ रहे हैं, जो एक जबरदस्त रेट्रो गैंगस्टर वाइब दे रहा है. वे पूरे टशन के साथ एक अंधेरे गैरेज में खड़ी कार की ओर बढ़ते हैं. कमल हासन ड्राइवर की सीट संभालते हैं जबकि रजनीकांत उनके बगल में बैठते हैं। यह क्लिप एक दमदार मोड़ पर खत्म होती है जब दोनों नेल्सन की ओर मुड़ते हैं और उससे पूछते हैं, हीरो कौन है?इससे पहले, निर्माताओं ने फिल्म का एक पोस्टर जारी किया था. इस पोस्टर का डिजाइन विंटेज लुक वाला था, जिसमें लेदर जैकेट पहने दो पुरुषों के हाथ दिखाए गए थे. उनके हाथों में सोने की घड़ी और एक अंगूठी नजर आ रही थी, जो उनके क्लासिक रेट्रो स्वैग (पुराने दौर के टशन) की ओर इशारा कर रही थी. पोस्टर पर टैगलाइन लिखी थी- कुछ लोग नियम बनाते हैं, कुछ लोग राज करते हैं.कमल हासन और रजनीकांत को आखिरी बार 1979 की फिल्म अलाउद्दीनम अल्भुथा विलक्कुम में एक साथ देखा गया था. इससे पहले उन्होंने अपूर्व रागंगल, अवरगल, मुंद्रू मुदिचू और पतिनारु वयथिनिले जैसी क्लासिक फिल्मों में भी स्क्रीन साझा की है. कमल हासन और रजनीकांत ने 1985 में बनी हिंदी फिल्म गिरफ्तार में एक साथ काम किया था. हालांकि, इस फिल्म में दोनों के एक साथ कोई दृश्य नहीं थे.

ऋचा चड्ढा ने बयां किया करियर का शुरुआती अनुभव

अभिनेत्री और निर्माता ऋचा चड्ढा ने अपने करियर की शुरुआत के दौरान एक कड़वे अनुभव को साझा किया है। उन्होंने बताया कि जिस व्यक्ति पर वह बहुत भरोसा करती थीं, उसने उनके हितों के खिलाफ काम किया और उन्हें धोखा दिया था। ऋचा ने बताया कि इस घटना से उन्हें यह सबक मिला कि हर कोई आपका ध्यान नहीं रख सकता या आपके बारे में नहीं सोच सकता। ऋचा ने कहा, अपने करियर की शुरुआत में मुझे यह कड़वा सबक मिला कि हर कोई आपका इतना ध्यान नहीं रखता। मैं भोली थी। कुछ लोग थोड़े से अंतर से भी खतरा महसूस करते हैं और नहीं चाहते कि आप उनसे आगे निकल जाएं या उनकी स्पॉटलाइट छीन लें। यह अनुभव उनके लिए काफी परेशान करने वाला था, लेकिन इससे उन्होंने अपनी पसंद का बचाव करना और सही लोगों पर भरोसा करना सीखा। उन्होंने इंडिपेंडेंट फिल्ममेकर्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वह उनसे संपर्क करने में हिचकिचाएं नहीं। आम धारणा है कि बड़े एक्टर्स से अप्रोच करना मुश्किल होता है, लेकिन ऋचा ने इसे गलत बताया।उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, एक सोच है कि हमसे संपर्क करना कठिन है, लेकिन यह सच नहीं। मेरे लिए सिर्फ अच्छी स्क्रिप्ट, सच्ची राइटिंग और कहानी का असर मायने रखता है। मैं हमेशा सही कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं।ऋचा ने शुरुआती दिनों में कम आंके जाने की बात भी कही। वह चाहती हैं कि इंडी क्रिएटर्स बिना झिझक के अच्छे रोल और कहानियों के लिए संपर्क करें।ऋचा एक नई नॉन-फिक्शन सीरीज का निर्माण कर रही हैं। इसके जरिए ऋचा का मकसद दर्शकों को जानी-पहचानी जगहों को नई नजर से देखने के लिए प्रेरित करना है। साथ ही कम जानी-पहचानी कहानियों को उजागर कर भारत की सांस्कृतिक गहराई और इंसानी जज्बे को सेलिब्रेट करना है।यह सीरीज ट्रैवल, कल्चर और भारत भर में लोगों और जगहों को परिभाषित करने वाली कहानियों पर आधारित होगी। यह जिज्ञासा और सहानुभूति से प्रेरित कहानी है। सीरीज भारत की विविधता समुदायों, परंपराओं और जीवन अनुभवों की कहानी को दिखाएगी। दर्शकों को आज के नजरिए से संस्कृति का जीवंत और इमर्सिव अनुभव मिलेगा।

हिन्दी दैनिक जोखिम

देहरादून में 30वें 'दिव्य कला मेला' का हुआ भव्य उद्घाटन

- "भारत को विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में दिव्यांगजन होंगे निर्णायक शक्ति" : राज्यपाल

- चालू वर्ष के बजट में दिव्यांगजनों के लिए सहायक उपकरणों की खरीद और फिटिंग के लिए 375 करोड़ का प्रावधान है : राज्यमंत्री बी एल वर्मा

- भारत सरकार ने दिव्यांग उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए 20 करोड़ से अधिक के ऋण स्वीकृत किए

- देहरादून में लगे दिव्य कला मेला में 16 राज्यों से 100 से अधिक दिव्यांग कारीगर, कलाकार और उद्यमी कर रहे प्रतिभाग

- देशभर के दिव्यांग कारीगर हस्तशिल्प, हथकरघा, कढ़ाई, होम डेकोर, वस्त्र, ऑर्गेनिक खाद्य उत्पाद, आभूषण, खिलौने जैसे उत्पाद लेकर पहुंचे दिव्य कला मेला

देहरादून(संवाददाता)। रविवार को देहरादून के रेंजर्स मैदान में 30वें 'दिव्य कला मेला' का भव्य उद्घाटन हुआ। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (से नि) गुरमीत सिंह ने कहा- "दिव्य कला मेला केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि प्रेरणा और उत्साह का एक सशक्त मंच है, जो भारत को विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में दिव्यांगजनों की निर्णायक भूमिका को रेखांकित करता है।" उन्होंने कहा कि यहां प्रदर्शित रचनात्मकता केवल कला नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की जीवंत अभिव्यक्ति है। उत्तराखंड के राज्यपाल ने अपने संबोधन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी नवाचारों को दिव्यांगजनों के लिए नए अवसरों का सेतु बताते हुए कहा कि तकनीक किसी में भेदभाव नहीं करती। उन्होंने आह्वान किया कि मेले में निर्मित उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाया जाए, ताकि दिव्य प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिल सके। उनके अनुसार, संकल्प और सामर्थ्य के बल पर दिव्यांगजन किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री बी. एल. वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू 'दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016' और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं ने दिव्यांगजनों को मुख्यधारा से जोड़ने का सशक्त आधार तैयार किया है। उन्होंने जानकारी दी कि चालू वर्ष के बजट में ।तजपपिबपंस

स्पउइे डंदनबिजनतपदह ब्वतचवतं. जपवद वि प्दकपं के माध्यम से सहायक उपकरणों की खरीद और फिटिंग के लिए ध्375 करोड़ का प्रावधान किया गया है, जिससे बड़ी संख्या में लाभार्थियों को सीधा लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में सांसद, टिहरी, माला राज्य लक्ष्मी शाह ने कहा कि दिव्य कला मेला जैसे आयोजन केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन के प्रेरक माध्यम हैं। उन्होंने केंद्र सरकार और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के प्रयासों की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे राष्ट्रीय आयोजन उत्तराखंड जैसे राज्यों को नई पहचान और ऊर्जा प्रदान करते हैं। उन्होंने विशेष रूप से पैरालंपिक उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रतिभा किसी सीमा की मोहताज नहीं होती। कार्यक्रम में विधायक खजान दास ने आयोजन को दिव्यांगजनों के सम्मान और अवसर का सशक्त उदाहरण बताते हुए कहा कि इस प्रकार के मंच समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं और आत्मविश्वास को नई ऊंचाई प्रदान करते हैं। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के निदेशक प्रदीप ए. ने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि यह मेला दिव्यांग उद्यमियों को बाजार, वित्त और रोजगार के अवसरों से जोड़ने का समग्र प्रयास है। उन्होंने बताया कि मेले में सहायक उपकरणों हेतु पंजीकरण, विभिन्न संस्थाओं की जानकारी और रोजगार मेलों के माध्यम से दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। देहरादून में आयोजित यह 30वां 'दिव्य कला मेला' देशभर में आयोजित मेलों की श्रृंखला का महत्वपूर्ण पड़ाव है। अब तक 29 स्थानों पर आयोजित मेलों में लगभग 2362 प्रतिभागियों ने भाग लिया है और 23 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार दर्ज किया गया है। सरकार ने दिव्यांग उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए ध्20 करोड़ से अधिक के ऋण स्वीकृत किए हैं, जो आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में ठोस प्रतिबद्धता को दर्शाता है। रोजगार मेलों में अब तक लगभग 3131 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें से 1007 को शॉर्टलिस्ट किया गया और 313 से अधिक को रोजगार प्रस्ताव प्राप्त हुए।

इस नौ दिवसीय दिव्य कला मेले में लगभग 90 स्टॉल लगाए गए हैं, जिनमें देश के 16 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आए 100 से अधिक दिव्यांग कारीगर, कलाकार और उद्यमी भाग ले रहे हैं। हस्तशिल्प, हथकरघा, कढ़ाई, होम डेकोर, वस्त्र, ऑर्गेनिक खाद्य उत्पाद, आभूषण, खिलौने और उपहार सामग्री सहित विविध उत्पाद यहां उपलब्ध हैं। 26 फरवरी 2026 को विशेष रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा, जबकि 1 मार्च 2026 को 'दिव्य कला शक्ति' नामक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें दिव्यांग कलाकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। 21 फरवरी से 1 मार्च तक प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से रात्रि 9 बजे तक आयोजित इस मेले में प्रवेश निःशुल्क है। रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, खेल गतिविधियां और सहायक उपकरणों के लिए पंजीकरण सुविधाएं इसे एक समावेशी, प्रेरक और सशक्त मंच बनाती हैंख्जहां कला के माध्यम से आत्मनिर्भरता और सम्मान की नई कहानी लिखी जा रही है।

संक्षिप्त समाचार...

प्रोजेक्ट अमृत : निरंकारी मिशन के सेवादारों ने मसूरी में चलाया स्वच्छता अभियान

देहरादून(संवाददाता)। संत निरंकारी मिशन की प्रमुख सद्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के निर्देशन में श्प्रोजेक्ट अमृतश के चौथे चरण के तहत मसूरी में वृहद स्तर पर स्वच्छता और जल संरक्षण अभियान चलाया गया। श्स्वच्छ जल, स्वच्छ मनश थीम पर आधारित इस अभियान में निरंकारी मिशन के 70 से अधिक स्वयंसेवकों ने मालरोड और बाबा हरदेव सिंह मार्ग (कैमल बैक रोड) पर सफाई कर 25 बैगों में लगभग तीन कुंतल कूड़ा एकत्र किया। जोनल इंचार्ज हरभजन सिंह के दिशा-निर्देश में हुए इस आयोजन में मिशन की यूनिट 561 के सेवादल अधिकारी सुमित कंसल ने बताया कि जल संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक करने के लिए देशभर में 1500 से अधिक स्थानों पर यह अभियान चलाया गया।

मोहनपुर में स्थापित हुई नरसिंह भगवान की प्रतिमा

देहरादून(संवाददाता)। पर्वतीय कल्याण समिति मोहनपुर स्मिथनगर का मंदिर स्थापना दिवस पर नरसिंह भगवान की मूर्ति स्थापित की गई। मूर्ति स्थापित करने से पहले क्षेत्र परिक्रमा की गई। समिति के महासचिव वीरू बिष्ट ने बताया कि मूर्ति स्थापना परिक्रमा कार्यक्रम मोहनपुर पावर हाउस से शुरू होकर समिति के सामुदायिक भवन प्रांगण स्थित दुर्गा मंदिर में सम्पन्न हुआ। मन्दिर स्थापना दिवस पर 25 फरवरी तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। सोमवार को पूजन व विविध तरह के पाठ होंगे, मंगलवार की सुबह पूजा के साथ शाम को मंडलियों द्वारा भजन कीर्तन किया जायेगा। 25 फरवरी को प्रातः हवन पूजन के बाद दोपहर में भंडारा होगा। पूजन कार्यक्रम आचार्य पंडित महिमाधर प्रसाद थपलियाल व मन्दिर प्रभारी भागवत रौतेला की देखरेख में होंगे।

होली पर प्रेमनगर बाजार इलाके में बनेंगे पार्किंग जोन

देहरादून(संवाददाता)। होली की तैयारियों को लेकर प्रेमनगर थानाध्यक्ष कुंदन राम ने रविवार को प्रेमनगर बाजार के व्यापारियों संग बैठक की। इस दौरान तय किया गया कि त्योहार के दौरान बाजार में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पार्किंग जोन बनाए जाएंगे। व्यापारियों की सुरक्षा के मद्देनजर थाना अध्यक्ष ने रात्रि गश्त बढ़ाने का आश्वासन दिया। पुलिस ने व्यापारियों से शांतिपूर्ण त्योहार मनाने में सहयोग मांगा। इस अवसर पर व्यापार मंडल के अध्यक्ष भूषण भाटिया, विक्की खन्ना, फकीरचंद, रवि भाटिया, विनोद कुमार, राजेश भाटिया, जितेंद्र तनेजा, सागर, हरीश कोहली और सुरेश भाटिया शामिल रहे।

मुख्यमंत्री धामी ने किया बालावाला में विराट हिन्दू सम्मेलन में प्रतिभाग

देहरादून(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को बालावाला देहरादून में विराट हिन्दू सम्मेलन में प्रतिभाग किया। उन्होंने कहा कि यह मात्र एक सम्मेलन नहीं, बल्कि हिंदू समाज की चेतना, एकता और आत्मगौरव का महापर्व भी है। हिंदू समाज आज न केवल जागृत और समर्पित है बल्कि अपने धर्म, संस्कृति एवं राष्ट्र के प्राचीन वैभव को पुनः लौटाने के लिए पूर्ण निष्ठा के साथ संगठित भी हो रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण करने के उपलक्ष में पूरे देश में इस प्रकार के विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैंमुख्यमंत्री ने कहा कि यह उनके लिए गर्व का विषय है कि वे विश्व के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन से जुड़े हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने 100 वर्षों में देश के सांस्कृतिक मूल्यों को पुनर्जीवित कर राष्ट्रभक्ति की भावना को जन-जन के हृदय में सशक्त रूप से स्थापित करने का कार्य भी किया है। शिक्षा, कृषि, ग्राम विकास, समाज कल्याण, महिला सशक्तिकरण, आदिवासी उत्थान, सेवा कार्य, कला और विज्ञान ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है, जहाँ संघ के स्वयंसेवकों ने निस्वार्थ भाव से योगदान न दिया हो।मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत विविधताओं से भरा हुआ देश है। यहां भाषा, संस्कृति, जाति और क्षेत्र के आधार पर अनेकों भिन्नताएँ हैं। लेकिन इन सबके बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने हमेशा भेदभाव से ऊपर उठकर भारत की एकात्मता को मजबूत किया है और जन-जन में एक भारत - श्रेष्ठ भारत की भावना जगाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश में भाषाएं अलग हो सकती है, परंपराएँ भिन्न हो सकती हैं, पूजा- पद्धतियां और जीवन शैली अलग हो सकती है, परंतु मूल सत्य और मानवीय मूल्य एक ही रहते हैं। इसी भावना का व्यापक स्वरूप ही हिंदुत्व है ।

स्वामी, प्रकाशक एवम मुद्रक संजीव पंत द्वारा 19.सी, सुभाष रोड, पैसेफिक होटल के पीछे डूंगा हाउस देहरादून से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन्स डी-2, शिवलोक कालोनी लाडपुर, ब्लॉक रायपुर काली मन्दिर के पास, देहरादून से मुद्रित। सम्पादक - संजीव पंत , फोन नं0- 0135-2712118 , प्रसार प्रबंधकः वसीम अहमद , आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/33537 email: jokhimdehradun2006@gmail.com